**A–0603**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# BAJY-201

## कला में स्नातक (ज्योतिष) बी.ए.

## जातक शास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :–** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** (2×19=38)

**नोट :–** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहों का शुभाशुभत्वं पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत उल्लेख कीजिए।

2. द्वितीय भाव से विचारणीय विषयों का उल्लेख करते हुए द्वितीय भाव में स्थित दो ग्रहों का फल लिखिए।

3. जातक शास्त्र का विस्तृत परिचय दीजिए।

4. विशोत्तरी दशा का उद्देश्या स्पष्ट करते हुए उदाहरण द्वारा समझाते हुए लिखिए।

5. ग्रहों की दृष्टि का उल्लेख करते हुए सोदाहरण वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

### लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

**नोट :–** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्वादश भावों से विचारणीय विषयों को स्पष्ट करते हुए उल्लेख कीजिए।

2. ग्रहबल से क्या तात्पर्य है ?

3. फलादेश में पञ्चाङ्ग की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

4. ग्रहों की प्रत्यन्तर्दशा के फल की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

5. द्वितीय, चतुर्थ, दशम भावों में सूर्य, चन्द्र, मंगल ग्रहों के फल का उल्लेख कीजिए।

6. ग्रहदृष्टि की ज्योतिष में भूमिका क्या है ? फलकथन में उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

7. योगिनी दशा के विषय में विस्तृत उल्लेख कीजिए।

8. ग्रहों की तात्कालिक मैत्री का विवरण करें।

**********